न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी : मुख्यमंत्री

न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह चौबीस घंटे सातों दिन कार्य करना होगा : सीजेआई

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार फ्रेगमेंटेशन टू फ्यूजन: एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन का शनिवार को शुभारंभ हुआ। नेताजी सुभाषचंद बोस कल्चरल एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस सूर्यकांत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

हरिभूमि, जबलपुर।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन कानूनविद एवं न्यायविद उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई, जिसके बाद विधि क्षेत्र से जुड़े डिजिटल बदलावों पर आधारित एक वृतचित्र प्रस्तुत किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य देश की न्याय प्रणाली में चल रहे अलग-अलग डिजिटल प्रयासों को एकीकृत मंच पर लाने की दिशा में चर्चा करना रहा।

मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत सहित कई न्यायाधीश मौजूद रहे। इस दौरान हाईकोर्ट का नया डिजिटल पोर्टल, लाइव स्ट्रीमिंग सिस्टम क्लास, एआई आधारित डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' और ऑनलाइन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम लॉन्च किया गया। साथ ही वार्षिक रिपोर्ट 2025 का विमोचन और संकेत वाणी ऐप की शुरुआत भी हुई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि एआई और डिजिटल तकनीक से न्याय प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और आसान बनेगी। कोविड काल में भी भारतीय न्यायपालिका ने तकनीक के जरिए काम जारी रखा, जिसकी दुनियाभर में सराहना हुई। उन्होंने कहा कि डिजिटल सिस्टम से आम नागरिक को त्वरित और किफायती न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा, आम नागरिक को त्वरित रूप से न्याय मिल सके इस उद्देश्य से अब हमारी न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24 घंटे सातों दिन कार्य करना होगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीसूर्यकांत ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

डिजिटलीकरण से पारदर्शिता बढ़ेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटलीकरण से पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को जल्दी न्याय मिलेगा। इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म से कागजी प्रक्रिया कम होगी और फाइलों का तेजी से निपटारा हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में साइबर तहसील, डिजिटल कैबिनेट और सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट की डिजिटल पहलें मूक-बधिरों और आम नागरिकों के लिए न्याय को आसान बनाएंगी। डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य और भारतीय न्याय परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धति में न्याय और सुशासन के मूल्य सदियों से शामिल रहे हैं।

डिजिटल तकनीक से न्याय व्यवस्था मजबूत : न्याय मंत्री मेघवाल

केंद्रीय कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश ने न्याय प्रक्रिया के डिजिटल इंटीग्रेशन में देश को नई दिशा दी है। एआई, मशीन लर्निंग और डिजिटल तकनीक से न्याय व्यवस्था मजबूत होगी और नागरिकों का भरोसा बढ़ेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने कहा कि हाईकोर्ट का नया डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों को फैसलों और दस्तावेजों की ई-कॉपी आसानी से उपलब्ध कराएगा। इससे जमानत आवेदन और ई-समन जैसी प्रक्रियाओं में भी तेजी आएगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह ने कहा कि संविधान अब एआई युग में पहुंच चुका है। डिजिटल तकनीक से कैदियों की रिहाई, फॉरेंसिक रिपोर्ट और कोर्ट आदेशों में होने वाली देरी कम होगी। जस्टिस आलोक अराधे ने कहा कि कोर्ट, पुलिस, जेल और फॉरेंसिक सेवाओं के डिजिटल एकीकरण से न्याय प्रक्रिया सरल और तेज बनेगी। कार्यक्रम के अंत में जस्टिस विवेक रूसिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

यह रहे उपस्थित

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एडमिनिस्ट्रेटिव जज जस्टिस विवेक रूसिया ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद आशीष दुबे, जबलपुर के महापौर जगत बहादुर अन्नू, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, न्यायाधीश, न्यायिक प्राधिकरण से जुड़े प्रशिक्षु, प्रशासन व पुलिस के अधिकारी और बड़ी संख्या में वकील उपस्थित थे।

विधिक व्याख्यान कार्यक्रम में पेपरलेस न्याय व्यवस्था की नई शुरुआत

न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का संगम है नई व्यवस्था

संस्कारधानी जबलपुर में आयोजित "डिजिटल ट्रांसमिशनः एडवांसिंग पेपरलेस लीगल सिस्टम" कार्यक्रम में न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। होटल हिल्टन गार्डन इन में आयोजित इस भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल सहित न्यायपालिका और प्रशासन से जुड़े अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में डिजिटल और पेपरलेस न्याय व्यवस्था को भारतीय न्यायपालिका का भविष्य बताते हुए तकनीक आधारित पारदर्शी न्याय प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अब अदालतों की पहचान लाल कपड़ों में बंधी भारी-भरकम फाइलों से नहीं, बल्कि स्मार्ट तकनीक और डिजिटल सिस्टम से होगी। उन्होंने कोविड-19 काल को न्यायिक व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक मोड़ बताते हुए कहा कि वर्चुअल हियरिंग और ई-फाइलिंग ने न्याय प्रक्रिया को नई दिशा दी। उन्होंने जानकारी दी कि सुप्रीम कोर्ट ने अब 'मिसलेनियस डेट्स' पर पूरी तरह वर्चुअल हियरिंग की व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि सिक्किम की तरह मध्य प्रदेश भी पूर्णतः पेपरलेस व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही उन्होंने चेताया कि डिजिटल परिवर्तन "डिजिटल बहिष्कार" का कारण नहीं बनना चाहिए। ग्रामीण और वरिष्ठ नागरिकों के लिए तकनीक को सरल एवं सुलभ बनाने की आवश्यकता पर उन्होंने विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र के ऐतिहासिक शास्त्रार्थ का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय न्याय परंपरा सदैव निष्पक्षता और संवाद पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि समाज और शासन की जटिलताओं के कारण मामलों में देरी होती है, लेकिन न्यायालयों के ऐतिहासिक फैसले लोकतंत्र को नई मजबूती प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने जबलपुर को सौभाग्यशाली नगर बताते हुए कहा कि माँ नर्मदा नदी का विशेष आशीर्वाद इस शहर को प्राप्त है। उन्होंने कहा कि नर्मदा की निर्मल धारा भारतीय संस्कृति, शुचिता और आध्यात्मिक चेतना की प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कार्यक्रम को न्यायपालिका, सरकार और तकनीक का शानदार संगम बताया। उन्होंने कहा कि पहले संसद में भारी-भरकम दस्तावेज ले जाने पड़ते थे, लेकिन आज संसद पूरी तरह पेपरलेस हो चुकी है और बजट मोबाइल पर उपलब्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्य प्रदेश विधानसभा भी इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने कहा कि वर्ष 2008-09 में अदालतों में लैपटॉप ले जाने पर प्रतिबंध था, लेकिन आज तकनीक ने पूरी व्यवस्था बदल दी है। उन्होंने बताया कि अब सरकार से जुड़े मामलों की डिजिटल पहुंच उपलब्ध है और नोटिसों के डिजिटल ट्रांसमिशन से जवाब तेजी से प्राप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम के शुभारंभ में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम दीप प्रज्वलन, राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर अन्नू, मुख्य सचिव अनुराग जैन, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु और बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

51500 रुपये शास्ति, शमन -शुल्क वसूल किया गया

बिना परमिट दौड़ रही बाराती बस पर परिवहन विभाग की कार्रवाई

हरिभूमि, जबलपुर।

मंडला से जबलपुर की ओर बरात लेकर आ रही एक यात्री बस को परिवहन विभाग केसम्भागीय उड़नदस्ता दल ने जांच के दौरान पकड़ा। जांच में पाया गया कि बस बिना वैध परमिट, बिना बीमा तथा बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के संचालित

की जा रही थी। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर परिवहन विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को रोककर आरटीओ परिसर में जब्त किया गया। सम्भागीय उड़न दस्ता प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर की जानकारी के अनुसार उड़नदस्ता दल द्वारा नियमित वाहन जांच अभियान के दौरान उक्त बस को रोका गया। दस्तावेजों की जांच में वाहन चालक वैध परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही वाहन का बीमा एवं प्रदूषण प्रमाणपत्र भी अनुपलब्ध पाया गया। परिवहन नियमों के गंभीर उल्लंघन को देखते हुए बस को जब्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया। हालांकि, विभाग द्वारा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बस में सवार बरातियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। आरटीओ अधिकारियों द्वारा बरातियों को ससम्मान उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई, जिसके बाद वाहन को विधिवत जब्त किया गया। परिवहन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक को वाहन स्वामी द्वारा विभिन्न नियम उल्लंघनों के संबंध में कुल 51 हजार 500 रुपये का शास्ति संबंधी शुल्क जमा किया गया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत वाहन को रिलीज कर दिया गया। परिवहन विभाग ने वाहन संचालकों से अपील की है कि सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे वैध परमिट, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाणपत्र अद्यतन रखें तथा नियमों का पालन करते हुए ही वाहनों का संचालन करें, जिससे सड़क सुरक्षा एवं यात्री हित सुनिश्चित हो सके। इस कार्यवाही में प्रभारी विक्रम सिंह ठाकुर, परिवहन आरक्षक इम्तियाज हुसैन, वन्दना परतेती, आशुतोष मोघे के साथ समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

350 पाव देशी शराब एवं एक्सिस जप्त

जबलपुर। शहपुरा पुलिस ने ग्राम बरगी से पहले नहर पुलिया के पास एक्सिस में अवैध रुप से शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 350 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त एक्सिस वाहन जब्त किया है। शहपुरा थाना प्रभारी प्रवीण धुर्वे ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेडसी 1892 में शराब लेकर डोभी अहरोरा तरफ बेचने के लिए जा रहे ग्राम कनवास शहपुरा निवासी 22 वर्षीय आकाश सिंह लोधी को ग्राम बरगी से पहले नहर पुलिया के पास गिरफ्तार कर उसके पास से 350 पाव देशी शराब और एक्सिस वाहन जब्त की है।

स्वच्छ और सुगम रांझी के लिए निगम सख्त

जबलपुर। शहर को स्वच्छ, सुंदर और यातायात को सुगम बनाने के लिए नगर निगम जबलपुर इन दिनों पूरी मुस्तैदी से मैदान पर डटा हुआ है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहर के सभी संभागों में लगातार सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज, 16 मई 2026 को संभाग क्रमांक 10 रांझी में नगर निगम के अतिक्रमण दल और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एक संयुक्त और प्रभावी कार्रवाई की। क्षेत्र गुप्ता स्वीट्स द्वारा दुकान के बाहर सड़क पर अतिक्रमण करने और प्रतिष्ठान के आस-पास गंदगी फैलाने की शिकायतें सामने आ रही थीं, जिससे राहगीरों और यातायात को असुविधा हो रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल चालानी कार्रवाई की। नगर निगम की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने भी सराहना की है, क्योंकि इससे रांझी क्षेत्र के मुख्य मार्गों पर यातायात सुगम होगा और स्वच्छता के प्रति अन्य दुकानदारों में भी जागरूकता आएगी। निगम प्रशासन ने सभी नागरिकों और व्यापारी बंधुओं से अपील की है कि वे अपनी दुकानों का सामान सीमा के भीतर ही रखें और कचरा डस्टबिन में ही डालें, ताकि जबलपुर को नंबर वन और आदर्श शहर बनाया जा सके।

गुप्ता स्वीट्स पर लगाया स्पॉट फाइन

प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में शहीदों की विधवाओं एवं संतानों के लिए अब एक सीट रहेगी आरक्षित

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में पुलिस, होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) में शहीद होने वाले कर्मियों की विधवाओं तथा उनके आश्रित बच्चों के लिए एक अतिरिक्त सीट आरक्षित की है। आयुक्त उच्च शिक्षा द्वारा इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। विभागीय निर्देशानुसार प्रत्येक स्नातक पाठ्यक्रम में स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त एक सुपरन्यूमेरेरी (अतिरिक्त) सीट निर्धारित की गई है, इससे नियमित सीटों की संख्या प्रभावित नहीं होगी। इस आरक्षण का लाभ केवल पात्र अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकारी(गृह विभाग अथवा संबंधित विभाग) द्वारा जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर मिलेगा। पात्र अभ्यर्थियों को ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर पृथक श्रेणी के अंतर्गत आवेदन करना होगा।

उच्च शिक्षा विभाग ने समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को जारी किए निर्देश

जुआ के फड़ पर छापा

जबलपुर। मदनमहल पुलिस ने सागर होटल तीन पत्ती के पास चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 5 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उसके पास से 3 हजार 600 रुपए जब्त किए है। मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुखबिर की सूचना पर सागर होटल तीन पत्ती के पास जुआ मन्ना खेल रहे 29 वर्षीय सलमान, 35 वर्षीय वसीम खान, 33 वर्षीय जावेद, 29 वर्षीय मोह. फेदर, 31 वर्षीय इकराम को गिरफ्तार कर उनके पास से ताश के 52 पत्ते एवं 3 हजार 600 रूपये जप्त करते हुये सभी जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, अवैध शराब के कारोबार में लिप्त, चोरी, नकबजनी व मारपीट करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 94 वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये 48 हजार 400 रूपये समन शुल्क वसूला गया।

कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 13 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 86 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 5 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 2 गैरम्यादी, 18 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है एवं 46 जमानती वारंट तामील किये गये तथा अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 66 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 51 बॉटल अंग्रेजी एवं 755 पाव देशी, अंग्रेजी एवं 21 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 2 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 चाकू जप्त किये गये एवं 9 जुआडियों को जुआ खेलते हुये एवं 3 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकडा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 5 हजार 770 रूपये जप्त किये गये।

कार की टक्कर से 2 युवक घायल

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत बचैया मेन रोड ग्राम मोहनिया बगीचा के पास खड़े होकर बात कर रहे चार युवकों में दो युवकों को एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक घायल हो गए, वहीं कार चालक मौके से फरार हो गया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेलखाड़ू कटंगी निवासी 31 वर्षीय इरशाद अंसारी अपने भाई शहजाद और कर्मचारी कमल रैदास, आसिफ अंसारी के साथ ग्राम बिछिया से टेंट का सामान लोडिंग वाहन में लोडकर ग्राम बेलखाड़ू जा रहे थे। शाम लगभग 7 बजे बचैया मेन रोड ग्राम मोहनिया बगीचा के पास पहुंचे और गाड़ी किनारे लगाकर चारों निस्तार कर वहीं पेड के पास खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे तभी बचैया तरफ से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 एफए 6016 के चालक ने शहजाद एवं कमल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए, वहीं कार चालक भीड़ एकत्रित होते देख वहां से भाग गया। इरशाद और आसिफ ने दोनों घायलों को उपचार हेतु जबलपुर भिजवाया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

परिजनों ने आत्महत्या की थ्योरी पर उठाए सवाल

कृष्णा विहार में युवक की संदिग्ध मौत

जबलपुर। शहर के कृष्णा विहार इलाके में 27 वर्षीय युवक अखिलेश लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस द्वारा इसे आत्महत्या मानने पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मृतक के बड़े भाई आकाश लोधी का कहना है कि जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो उनके भाई का शव सोफे पर पड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि जिस गमछे से फांसी लगाने की बात कही जा रही है, वह नीचे फर्श पर पड़ा मिला। इसके अलावा कमरे का दरवाजा भी अंदर से बंद नहीं था, बल्कि धक्का देने पर आसानी से खुल गया। परिजनों का कहना है कि घटनास्थल की परिस्थितियां आत्महत्या की ओर इशारा नहीं करतीं। इसी वजह से उन्होंने पूरे मामले को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।

परिवार ने मृतक के साथ रहने वाले रूममेट सिद्धार्थ पटेल पर भी सवाल उठाए हैं। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद सिद्धार्थ ने मृतक के फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल कर उसका मोबाइल फोन अनलॉक किया और कुछ लोगों को फोन कर घटना की जानकारी दी। मृतक के भाई आकाश लोधी ने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि मामले में किसी एक व्यक्ति के बयान के आधार पर निष्कर्ष न निकाला जाए। उन्होंने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि मौत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

बरगद और पीपल की परिक्रमा की गई

महिलाओं ने रखा वट सावित्री का व्रत

जबलपुर।

शनिवार को वट सावित्री का पर्व मनाया गया। इस दिन सुहागिनें पति की दीर्घायु और परिवार की सुख शांति के लिए वट सावित्री की पूजा करती है। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह वट या बरगद के पेड़ का भी विशेष महत्व है। पुराणों की मानें तो वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।

वट सावित्री व्रत का महत्व

इस व्रत में बरगद पेड़ के चारों ओर घूमकर रक्षा सूत्र बांधा और आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर सुहागिनों एक-दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। इसके अलावा पुजारी से सत्यवान और सावित्री की कथा सुनती हैं। नवविवाहिता सुहागिनों में पहली बार वट सावित्री पूजा का अलग ही उत्साह रहता है।

वट सावित्री के व्रत के दिन बरगद पेड़ के नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा सुनने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इस व्रत में महिलाएं सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं। वट वृक्ष के नीचे बैठकर ही सावित्री ने अपने पतिव्रत से पति सत्यवान को दोबारा जीवित कर लिया था। दूसरी कथा के अनुसार मार्कण्डेय ऋषि को भगवान शिव के वरदान से वट वृक्ष के पत्ते में पैर का अंगूठा चूसते हुए बाल मुकुंद के दर्शन हुए थे, तभी से वट वृक्ष की पूजा की जाती है। वट वृक्ष की पूजा से घर में सुख-शांति, धनलक्ष्मी का भी वास होता है। वट वृक्ष रोग नाशक भी है।

दुर्गा हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धा के साथ मनाया गया वट सावित्री व्रत

जबलपुर।

ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या पर सार्वजनिक दुर्गा हनुमान मंदिर प्रांगण, सरस्वती कॉलोनी में वट सावित्री व्रत पूजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही बड़ी संख्या में मातृशक्तियों ने अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ वट वृक्ष का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। महिलाओं ने वट वृक्ष को रक्षासूत्र, रोरी, चंदन, सुपारी, अक्षत, नारियल, बरगद फल, मिठाई, दीपक एवं इत्र अर्पित कर आरती की तथा वट सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। पूजन के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए भजन-कीर्तन एवं मंगल गीत गाकर पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर बताया गया कि वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश तीनों देवताओं का वास माना जाता है तथा सावित्री माता की विशेष पूजा का महत्व है। कार्यक्रम में प्रतिभा भापकर, अनिता गुप्ता, शकुन ठाकुर, रश्मि चौधरी, किशोरी सोनी, सुनीता शर्मा, सुषमा अग्रवाल, अनु कूचियां, अर्चना पटेल, सुमन चौहान, सरिता शास्त्री, रेखा तिवारी, पूजा शर्मा, रजनी पटेल, वंदना बिल्थरिया, नीलू उपाध्याय, रानी तिवारी, गीत सुहाने, संध्या सोनी, मुनमुन सोनी, सुमन पांडे, राखी कोष्टा, पं. वीरेंद्र दुबे, अध्यक्ष देवेंद्र नेमा सहित समिति के अनेक भक्तजन एवं मातृशक्तियां उपस्थित रहीं।

स्लॉट बुकिंग बंद, गेहूं की सरकारी खरीद में बनी रोड़ा

स्टॉल बुकिंग बंद होने से अन्नदाता की उपज की नहीं हो रही तौल

सिहोरा। इस साल गेहूं की सरकारी खरीदी पूरी तरह से प्रशासन तंत्र की अवस्था की भेंट चढ़ गई है।बीते 15 दिनों से गेहूं की सरकारी खरीद केंद्र में स्लाट बुकिंग बंद होने से खरीद केंद्र में उपज बेचने पहुंचे उपज की तौल नहीं होने से हजारों क्विंटल खुले आसमान के नीचे भगवान भरोसे पड़ा है उपज की तौल नहीं होने से अन्नदाताओं मैं जबरदस्त हताशा बनी है किसान संगठनों के पदाधिकारी ने बीते करीब 15 दिनों से स्लॉट बुकिंग बंद होने पर आक्रोश जताया है। ग्राम पंचायत सरपंच लमकना उर्मिला बहादुर पटेल,आनंद यादव,छोटे लोधी,सुधा पटेल,संतोष यादव,राम सहाय पटेल संगीत पटेल मुन्नी बाई पटेल,बसंत कुमार,भारत कृषक समाज संरक्षक सुबोध पांडे,तहसील अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल पटेल,भारतीय किसान संघ के सुरेश पटेल,आशीष पटेल,गंगा पटेल ने बताया इस वर्ष गेहूं की सरकारी खरीद में प्रशासन में अन्नदाताओं को जबरदस्त धोखा दिया है इस वर्ष पहले करीब 15 दिनों की देरी से सरकारी खरीद शुरू हुई 1 अप्रैल से स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया शुरू हुई जो 5 दिन चलने के बाद 5 अप्रैल को बंद हो गई स्लॉट बुकिंग बंद होने पर प्रशासन ने अन्नदाताओं को भरोसा दिलाया कि सरवर की गड़बड़ी के कारण स्लॉट बुकिंग बंद हो गई इसे जल्द से दुरुस्त करा कर स्लॉट बुकिंग शुरू करा दी जाएगी बीते 15 दिनों से प्रशासन का अन्नदाताओं को दिया भरोसा धोखा साबित हुआ 15 दोनों से प्रशासन ना तो सर्वर की गड़बड़ी दूर कर पाया और और ना ही किसानों की स्लॉट शुरू हो पाई इस दौरान प्रशासन ने खरीद केदो में 10 अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीदी शुरू कर दी स्लॉट बुकिंग की आशा में अन्नदाता खरीद केंद्र में उपज लेकर पहुंचते जरूर है लेकिन स्लॉट बुकिंग नहीं होने से अन्नदाता के खून पसीने की मेहनत से उगाई उपज खुले आसमान के नीचे लावारिस पड़ी है मौसम के बदलते तेवर में अंधड़ बे मौसम की बारिश होने से किसानों का दिल बैठ जाता है की कहानी उनकी मेहनत सारी माटी में मिल जाएं।

100 वर्ष पुराने कोसम वृक्ष की छाया में गूंजे आस्था और एकता के स्वर

जबलपुर। गोरैया घाट स्थित अनूप विहार एडब्ल्यूएचओ कॉलोनी में 15 मई को नव-निर्मित सर्वधर्म स्थल में विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न हुआ। लगभग 100 वर्ष पुराने कोसम वृक्ष की छाया में आयोजित इस समारोह में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में कॉलोनी के अनेक सदस्य एवं उनके परिवारजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। समारोह में कैंट विधायक अशोक रोहाणी, कोल इंडिया के डायरेक्टर अखिलेश जैन एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने सर्वधर्म स्थल पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा महिलाओं से आशीर्वाद प्राप्त कर नारी शक्ति के सम्मान का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कॉलोनीवासियों से विकास कार्यों एवं समस्याओं को लेकर चर्चा कर हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। अनूप विहार में निर्मित सर्वधर्म स्थल को सामाजिक समरसता, एकता एवं सनातन संस्कृति का प्रतीक बताया गया। आयोजन को सफल बनाने में कर्नल दीपक अग्रवाल, विंग कमांडर सतीश शर्मा, कर्नल राजेश मिश्रा, जतिंदर फ्लोरा, बिट्टू बेदी, डी.के. बाजपेयी एवं अनिल द्विवेदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह के अंत में उपस्थित लोगों ने सर्वधर्म स्थल को सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना का केंद्र बताते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। इस अवसर पर संजय यादव, संदीप रजक एवं अमर सिंह महोबिया सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

खुले में पड़ा हजारों क्विंटल गेहूं मौसम की मार से किसान चिंतित

बरेला। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए महंगवा रोड स्थित राय वेयरहाउस में बनाए गए खरीदी केंद्र पर किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र में हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा हुआ है, जिससे बदलते मौसम के बीच किसानों की चिंता बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि वेयरहाउस में पर्याप्त जगह एवं पल्लेदारों की कमी के कारण खरीदा गया गेहूं अंदर नहीं रखा जा पा रहा है। ऐसे में किसान अपनी उपज की स्वयं रखवाली करने को मजबूर हैं। मौसम की बेरुखी के चलते किसानों को फसल खराब होने का डर सताने लगा है। खरीदी केंद्र में स्लॉट बुकिंग की समस्या से भी किसान परेशान हैं। जानकारी के अनुसार अब तक 297 किसानों से करीब 22 हजार क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। बावजूद इसके खुले में पड़ा अनाज शासन की परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। किसानों ने प्रशासन से जल्द उचित व्यवस्था करने की मांग की है।

शनि मंदिरों में दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता

सिहोरा।

शनि जयंती पर नगर उपनगर के सभी शनि मंदिरों में दिनभर भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से भक्त गण भगवान शनिदेव का पूजन अर्चन अभिषेक करने आतुर नजर आये। भीड़ इतनी अधिक थी की सभी भक्तगणों ने कतारबद्ध होकर पूजन कर आशिर्वाद प्राप्त किया। नगर के सिविल कोर्ट के पास,दुर्गा मंदिर एंव रेलवे स्टेशन के पास स्थित शनि मंदिरों में न्याय के देवता का पूजन अर्चन करने सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा तथा दिनभर भंडारे के प्रसाद का वितरण चलता रहा भक्तों के लिए कोर्ट के सामने स्थित शनि मंदिर विशेष महत्व रखता है जिस कारण हर शनिवार को भगवान को तेल एंव अन्य सामग्री अर्पित करने भक्तों की लाइन लगी रहती है। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के पंडित रामकुमार उपाध्याय,मंदिर समिति के सदस्य संतोष श्रीवास,जगदीश दुबे,मक्खन पटेल, राकेश यादव,पप्पू सैनी, मुकेश विश्वकर्मा, पिंकू दाहिया, प्रकाश सेन आदि का योगदान रहा।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल के सदस्य बने अनिल विश्वकर्मा

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी, जबलपुर महानगर के सोशल मीडिया विभाग ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित की है। जिला संयोजक राहुल दुबे द्वारा जारी पत्र के अनुसार अनिल विश्वकर्मा को मंडल सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के निर्देश पर प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर सहित वरिष्ठ नेताओं की सहमति से की गई। अनिल विश्वकर्मा अब मंडल स्तर पर पार्टी की सोशल मीडिया गतिविधियों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे। उनके साथ मंडल संयोजक अमितेश श्रीवास्तव और सहसंयोजक राज रैकवार (सावन) सहित कुल सात सदस्यीय टीम बनाई गई है।

दिव्यांगों को मिलेगा नया सहारा

निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर आज भी

जबलपुर। जायंट्स ग्रुप ऑफ इंदौर, संस्कार सेवा उत्सव समिति, रोटरी क्लब वेस्ट जबलपुर एवं सेवा भारती महाकौशल के संयुक्त तत्वावधान में "दिव्यांगता मुक्त भारत अभियान" के अंतर्गत 15 से 17 मई 2026 तक निःशुल्क कृत्रिम अंग (हाथ-पैर) एवं कैलिपर्स वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स प्रदान किए जाएंगे। शिविर का आयोजन स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज की प्रेरणा से होम साइंस रोड स्थित सांसद कार्यालय के बाजू वाली गली, सी.वी. सैलून एवं श्रीराम फाइनेंस के सामने किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित रहेगा। संस्कार सेवा उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. सुधांशु गुप्ता ने बताया कि अभियान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस अवसर पर डॉ. सुभाष सुधांशु गुप्ता, आत्माराम संगठन मंत्री, रोटरी क्लब जबलपुर वेस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय खन्ना, राजेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, कुमार सदानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास में श्री दत्त महायज्ञ 21 से 20 मई को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

जबलपुर। श्री दत्त भजन मंडल द्वारा पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 21 से 25 मई 2026 तक श्री दत्त मंदिर परिसर में पंचदिवसीय भव्य एवं दिव्य श्री दत्त महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ की पूर्व संध्या पर 20 मई, बुधवार को सायंकाल भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो श्री दत्त मंदिर से प्रारंभ होकर गोलबाजार क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। यात्रा में भगवान श्री दत्तात्रेय की आकर्षक पालकी, साधु-संतों की गरिमामयी उपस्थिति तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। संस्था के सचिव शरद आठले ने बताया कि 94 वर्षों के इतिहास में पहली बार श्री दत्त भजन मंडल द्वारा इतना भव्य आयोजन किया जा रहा है। महायज्ञ प्रतिदिन दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय चरण सायं 4 बजे से 6.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद महाआरती होगी। महायज्ञ के मुख्य आचार्य पं. वेदमूर्ति कृष्णाशास्त्री आर्वीकर (नागपुर) एवं उप आचार्य पं. गणेश नारायण पाळंदे शास्त्री (वाराणसी) रहेंगे। आयोजन में वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-यज्ञ, पूर्णाहुति, गुरुचरित्र एवं गुरु माहात्म्य पारायण, भजन संध्या तथा महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। मुख्य यजमान सौ. माधुरी नाजवाले एवं सुनील नाजवाले रहेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने की अपील संस्था के संरक्षक डॉ. जितेंद्र जामदार, डॉ. मानिक पानसे, डॉ. अर्चना मुठ्ये, न्या. डी.एम. धर्माधिकारी, न्या. प्रकाश नावलेकर, विजय भावे, शरद आठले, मनीष वैद्य, डॉ. सुनील देशपांडे, नितीन देसाई, डॉ. शिरीष नाईक, विलास ताम्हनकर, अजय फाटक एवं श्रीपाद परांजपे ने की है।

जीसीएफ गुरुद्वारा में सेवादारों को किया गया सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर के रांझी स्थित जीसीएफ गुरुद्वारा में जेठ महीने की संगराद मनाई गई, कार्यक्रम का शुभारंभ शबद कीर्तन और सर्वत्र के भले की अरदास के साथ हुआ। तत्पश्चात करीब लगभग 100 से अधिक सेवादारों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रबंधक कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि सन 1944 में आजादी के पहले पूरे हिंदुस्तान में सबसे पहले जीसीएफ गुरुद्वारे में बैसाखी पर्व मनाया गया था, जो की एक ऐतिहासिक कदम बताया जाता है जो की आज निरंतर इस परंपरा को हर वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से उत्साहपूर्वक माहौल में वाहेगुरु जी की मेहर से मनाया जाता आ रहा है। आज के इस कार्यक्रम के लिए पदाधिकारियों ने जीसीएफ प्रबंध कमेटी रांझी तथा मदन महल की प्रबंध कमेटी का आभार व्यक्त किया।

बिना नंबर के डंपरों से धड़ल्ले से हो रहा अवैध उत्खनन, प्रशासन मौन

बरेला।

महंगवा, कुकरीखेड़ा, सिलगौर, हिनौतिया, बारह सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों अवैध उत्खनन का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है। आरोप है कि समतलीकरण के नाम पर किसानों की जमीनों से बड़े पैमाने पर हार्ड मुरम निकाली जा रही है और बिना नंबर के डंपरों से शहर एवं आसपास की कॉलोनियों में पहुंचाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में दिनभर बिना नंबर के हाईवा और डंपर दौड़ते रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने खनन माफियाओं पर राजस्व, खनिज विभाग एवं पुलिस प्रशासन से सांठगांठ कर निर्भीक होकर अवैध उत्खनन करने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने एवं बिना नंबर के वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

In The Court Of XXXIV Civil Judge, Class-I District Court, Jabalpur
Presiding Officer: ऋचा बटेजा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/0000086/2026)
अमर सिंह ठाकुर............वादी
Vs
संदीप श्रीवास्तव.........प्रतिवादी
Process Id- /2026
पेशी दिनांक :- 08/07/2026
प्रेषिती-
(1) शांति बाई कोष्टा पति मन्नूलाल कोष्टा पता:108-B, रानी दुर्गावती रोड, गढ़ा जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश
यह कि प्रार्थी अमर सिंह ठाकुर ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए दावा वास्ते स्वत्व की घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 09 May 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
(ऋचा बटेजा) न्यायाधीश
34वें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)
कृपया ध्यान दें :- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

शनिचरी अमावस्या पर विशेष पूजन अभिषेक

जबलपुर। शनिचरी अमावस्या पर कल मंदिरों में विशेष अभिषेक पूजन किये गये। तिलवाराघाट स्थित शनि धाम में, सदर स्थित शनि मंदिर में, अमावस्या के मोके पर सुबह पूजन हुआ और शाम को शनि देव का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर भगवान शनिदेव को 56 भोग अर्पित किये गये। सुबह से शुरू हुआ भण्डारा देर रात तक चला। बहुत से श्रद्धालुओं ने शनिवार को सूर्य पुत्र भगवान शनि के साथ-साथ सूर्यदेव श्रीराम भक्त हनुमान का पूजन अर्चन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गौरीघाट श्री रामलला मंदिर में भी प्रातः 7 बजे शनिदेव का पूजन और तेलाभिषेक किया गया। रात्रि 11 बजे महाआरती हुई।

शनिवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को शनिचरी अमावस्या कहा जाता है। इस दिन भगवान शनिदेव का विशेष पूजन अर्चन करने से भगवान सभी कष्टों को हर लेते हैं। ज्योतिष शास्त्रियों के मुताबिक शनिचरी अमावस्या पर शनिदेव का पूजन करने के बाद तिल, तेल और कम्बल का दान करना शुभ माना जाता है। कल सुबह से ही भगवान शनि देव की आराधना में श्रद्धालु लीन रहे। सुबह से देर रात तक पूजा अर्चना का क्रम चला।

CHANGE OF NAME
I, ARMY No. 15435590H, RANK-NK, NAME BRIHATH K S/O SURESH BABU K, OF UNIT MH,JABALPUR (M.P.), R/O AISWARYAHOUSE PANTHEERPADAM,O, KUNNAMANGLAM,PO KUNNAMANGLAM, DIST. KOZHIKODE, KERALA 673571 solemnly declare and affirm on oath under :-I state that in my Mother Aadhar card No. 539629293552 and Pan card No RVLPS4770J, my Mother Name SUDHA which is true and correct but in my Army service Record my Mother Name is recorded SUDHA EK Which is incorrect.I state that the true and correct Name of my Mother is SUDHA and same Name shall be corrected in my Army service Record.
CORRECT NAME-SUDHA
INCORRECT NAME-SUDHA EK

श्री अशोक कुमार सूद- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री अशोक कुमार सूद (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमरजीत सिंह अहलूवालिया- कचनार कैसल सिविल लाइन निवासी श्री अमरजीत सिंह अहलूवालिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांता बाई देवकर- गढ़ाफाटक निवासी श्री श्याम राम देवकर की धर्मपत्नी श्रीमती शांता बाई देवकर (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बाबू लाल शिवहरे- सेवक की दुकान के पास करियापाथर निवासी श्री बाबू लाल शिवहरे (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामकली कोल- साईं नगर नयागांव रामपुर निवासी श्री रामाधार कोल की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली कोल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव- श्रद्धा कॉलोनी उखरी रोड निवासी श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री तेजी लाल अहिरवार- श्री रामलला मंदिर के पास गौरीघाट निवासी श्री तेजी लाल अहिरवार (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू ठाकुर- मुंडी टोरिया मोहनिया रांझी निवासी श्री राजू ठाकुर (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती बसंती बाई- कंचनपुर अधारताल निवासी श्री रिखीराम की धर्मपत्नी श्रीमती बसंती बाई (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती तारा बाई ठाकुर- पचपेढ़ी रोड सिविल लाइन निवासी श्री शंकर सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई ठाकुर (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कपिल प्यासी- जहांगीराबाद निवासी श्री घनश्याम प्यासी के पुत्र श्री कपिल प्यासी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा बाई चौहान- बिलहरी चेतना मैदान के पास निवासी श्री चेतराम चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती आशा बाई चौहान (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री सतपाल सिंह- बिलहरी निवासी श्री सतपाल सिंह (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पार्वती बाई कटारिया- घमापुर निवासी श्री तेजपाल कटारिया की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती बाई कटारिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती बैजंती साहू- जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक निवासी श्री खेमचंद साहू की धर्मपत्नी श्रीमती बैजंती साहू (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
सिंगल साइज:- 5x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- 5x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज 10x5 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

धार भोजशाला मामले पर आए फैसले से हिंदू धर्मगुरुओं में खुशी की लहर, बोले- राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक फैसला

धार भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट का फैसला स्वागत योग्य ऐतिहासिक तथ्य स्पष्ट हुए, यह सत्य और सनातन की जीत

भोपाल। धार भोजशाला को लेकर मप्र हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले को लेकर हरिभूमि ने राजधानी के हिंदू धर्मगुरुओं-संतों, जनप्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने इस फैसले को राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक बताते हुए इसका स्वागत किया और खुशी जताई है।

धार भोजशाला पर हाईकोर्ट के निर्णय से प्रसन्न संगठन करेंगे आज हवन-पूजन

हरिभूमि चर्चा

- संवैधानिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं ने कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया
- हाईकोर्ट का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था, विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने करने वाला
- न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने पर जोर

जाति एवं वर्गों को हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए

अखिल भारतीय संत समिति मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज ने कहा कि भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट द्वारा जो फैसला सुनाया गया, वह सर्वमान्य होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संविधान के अनुसार हम लोग कोर्ट का अनुपालन करते हैं और सम्मान करते हैं। सभी जाति और वर्गों को कोर्ट का सम्मान करना चाहिए और निर्णय को स्वीकार करें। हिंदू संस्कृति के हिसाब से वहां मंदिर होने के संबंध में हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसकी सभी को मान्य होना चाहिए। हम सभी कोर्ट का सम्मान करेंगे। उसको स्वीकार करेंगे, तथ्यों के आधार पर राजा भोज के द्वारा माता सरस्वती का वहां स्थान जो बनाया गया था, वह प्रमाणित हो चुका है।

धार भोजशाला का फैसला हिंदू धर्म की जीत

धार भोजशाला का फैसला हिन्दू धर्म की जीत है। इस फैसले से भेल बरखेड़ा स्थिति मां सरस्वती देवी मंदिर में आने वाले भक्तों व बिहार सांस्कृतिक परिषद में खुशी की लहर है। यह भी एक ऐतिहासिक मंदिर है, जिसकी स्थापना 66 साल पहले 1960 में की गई थी, तभी से इस मंदिर में हर साल वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब हिन्दू समाज के लोग आ-जा सकेंगे। वहां पर पूजा कर सकेंगे। यह तो पहले से ही तय था कि वहां सरस्वती माता का मंदिर है। कोर्ट के फैसले से यह साबित भी हुआ। परिषद के महासचिव सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस फैसले के बाद मंदिर में शनिवार को हवन-पूजन व प्रसादी वितरण किया जाएगा।

भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया

मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि धार भोजशाला मामले को लेकर जो फैसले आया है, वह स्वागत योग्य है। यह सत्य और सनातन की जीत है। भारत के सनातन हिंदू धर्म पर इतिहास में लगातार आक्रमण हुए, मंदिर तोड़े गए और हिंदुओं पर अत्याचार किए गए। लेकिन इसके बावजूद हिंदू समाज अपनी संस्कृति और धर्म के लिए लगातार संघर्ष करता रहा। भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया। हम सभी सनातनियों को न्यायालय पर विश्वास बना रहा। उसी विश्वास और सत्य की जीत हुई है। यह केवल एक कानूनी जीत नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीत है।

जैसी उम्मीद थी, वैसा आया फैसला

मप्र परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया ने भोजशाला को लेकर हाई कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर' जैसी जीत की उम्मीद थी। वहीं फैसला कोर्ट ने सुनाया। उन्होंने कहा है कि न्यायालय ने भोजशाला मामले में साक्ष्यों और एएसआई की रिपोर्ट को प्राथमिकता दी है। मुगल शासकों ने तलवार के दम पर हमारे प्राचीन धार्मिक स्थलों पर अवैध कब्जा किया था। अब इस प्रकार के फैसले से हिंदुओं में न्याय की उम्मीद जगी है। धार भोजशाला सनातन और सत्य की बड़ी जीत है। यह एक ऐतिहासिक क्षण था।

सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे

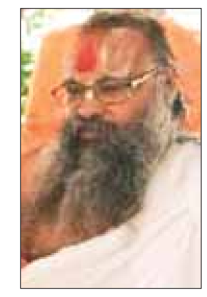

गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास महाराज ने कहा कि धार स्थित भोजशाला मामले में आए हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। महाराज ने कहा कि भोजशाला परिसर को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वहां का स्वरूप मंदिर जैसा है। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिन पर समय के साथ अन्य ढांचे स्थापित हुए हैं और इस दिशा में शोध व अध्ययन जारी है। अब न्यायालय के फैसले ने ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोगों ने लगातार कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया है। उन्हें उम्मीद है कि सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे। जिन मंदिरों को मुगल शासकों के दौर में नुकसान पहुंचाया गया, उन्हें वापस करके भाईचारे और दोस्ती का संदेश देगा।

करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मानः खंडेलवाल

धार स्थित भोजशाला को लेकर मप्र हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मप्र उच्च न्यायालय का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था और हमारी गौरवशाली विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने वाला है। मां वाग्देवी की आराधना स्थली के रूप में भोजशाला की मान्यता एवं इसे संरक्षित स्मारक के रूप में संरक्षण मिलना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान है। यह निर्णय श्रद्धालुओं के अधिकारों को सशक्त करेगा तथा भोजशाला की गरिमा को और मजबूती देगा। मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाने संबंधी निर्देश भी स्वागत योग्य हैं। हम सभी को न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सामाजिक समरसता, सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाना है।

धार भोजशाला के लिए सनातनियों ने लड़ी लंबी लड़ाईः शर्मा

धार भोजशाला के निर्णय का स्वागत कर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म पर लगातार आक्रमण हुए, मुगलों ने मंदिरों पर आक्रमण किए, मंदिर तोड़े गए, वेद पुराण जलाए गए, लाखों हिंदुओं का रक्त बहाया गया लेकिन अपने धर्म के लिए, अपने हिंदुस्तान के लिए, अपनी संस्कृति के लिए हिंदू फिर भी लड़ता रहा। धार भोजशाला के लिए भी सनातनियों ने लंबी लड़ाई लड़ी है। न्यायालय पर हमारा विश्वास बना रहा कि यहां सत्य जीतेगा और आज इसी सत्य की जीत हुई है। मैं सनातन के लिए लड़ने वाले करोड़ बलिदानी हिंदुओं को नमन करता हूं। यह सनातन की जीत है। हम उम्मीद करते हैं कि मुसलमान भी सत्य को स्वीकार करेंगे और जहां-जहां हिंदुओं के स्मृति चिन्ह है, जिन-जिन मंदिरों को मुगल लुटेरों ने तोड़ा है, उनको वापस करके हिंदुओं की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे।

मुस्लिम पक्ष करेगा अपील

धार के भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है, जिसमें इस जगह को मंदिर मानने की बात सामने आई है। ऐसे में इस मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा। जिसके तहत अपना पक्ष रखा जाएगा। यहां पर मस्जिद होने के सबूत पेश किए जाएंगे। एएसआई के सर्वे को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही हैं।

अहमद खुर्रम, अध्यक्ष ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी

खबर संक्षेप

बाल आयोग में हुई दो सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। राज्य शासन ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति की है। इससे पहले डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है। आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार, राज्य शासन ने मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है।

72 अभ्यर्थियों को जारी किए नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 72 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए गए हैं। इनमें पूर्व में घोषित प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थी भी सम्मिलित हैं। सितंबर 2025 से अब तक विभिन्न पदों पर 277 चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति-पत्र जारी कर दिए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी-2 एवं श्रेणी-3 पदों के लिए कुल 43 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन स्वयं करेंगे कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण

होमगार्ड संभालेंगे धार्मिक स्थलों का प्रबंधन प्रदेश में शुरू किए जाएंगे आईवीएफ सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू होगी बायोमीट्रिक अटेंडेंस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विभाग और जिले जिन क्षेत्रों में पीछे हैं, उनमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मप्र को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना हमारा प्रयास हो। जनहित में किए जाने वाले सभी नवाचारों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियावयन के संबंध में शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित नोडल विभागों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम से रजिस्ट्री कराई जाए।

बैठक में सीएस, डीजीपी समेत अधिकारियों से चर्चा करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

सभी कार्यों की समीक्षा के लिए माह के पहले सोमवार को होगी बैठक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय लोगों को जागरूक कर नर्मदा समग्र अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि नर्मदा समग्र मिशन से जुड़े सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को माह के पहले सोमवार को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा परिक्रमा यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

कपास उत्पादक किसानों के लिए कम किया मंडी शुल्क

मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में नवाचार और नई योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि खंडवा और बुरहानपुर की मंडियों में कपास उत्पादक किसानों से लिया जा रहा मंडी शुल्क एक रुपए से घटाकर 55 पैसे करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कपास उत्पादक किसानों को उपज बेचने में कठिनाई न हो इसके लिए कपास का मंडी शुल्क पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य के बराबर 55 पैसे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मिले निर्देशों को लागू करने के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए होगी संयुक्त बैठक

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। चित्रकूट धाम की मंदाकिनी नदी में पानी की धारा को अविरल रखने की योजना पर कार्य किया जाएगा। देश में विरासत से विकास के मॉडल के साथ धार्मिक पर्यटन का इकोसिस्टम तैयार किया गया है।

बायोमीट्रिक उपस्थित लागू होगी

मुख्यमंत्री ने राजधानी भोपाल में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में तैनात कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोमीट्रिक अडेंटेंस एक नवाचारी पहल है। इसे प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू किया जाए। सभी कार्यालयों में बॉयोमैट्रिक उपस्थित लागू होने से शासकीय कार्य कुशलता और समय बद्धता में वृद्धि होगी।

सांदीपनी विद्यालय परिसरों में अकादमी समय के बाद संचालित हों स्किल डेवलपमेंट गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आईवीएफ सेंटर स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनी विद्यालय परिसरों तथा महाविद्यालयों में अकादमी समय के बाद स्किल डेवलपमेंट, कम्प्यूटर प्रशिक्षण और कोचिंग जैसी गतिविधियां संचालित की जा सकती है।

निर्माण समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

सिंहस्थ संबंधी कार्यों में सहयोग कर नई मिशाल पेश कर रही उज्जैन की जनताः मुख्यमंत्री

सीएम ने किया हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थः 2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के आवागमन एवं सुविधाएं बढ़ाने के लिए घाटों एवं मार्गों के चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है।

सिंहस्थ के लिए सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे हैं कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक उनका लाभ प्राप्त हो। उज्जैन के जनप्रतिनिधि, सभी धर्म के अनुयायी और नागरिक विकास कार्यों का समर्थन कर रहे हैं और सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है। डॉ. यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में रामघाट पहुंचकर हरसिद्धि पाल से राम घाट मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत कार्य तेज गति, गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें।

बाढ़ बचाव प्रशिक्षण का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसिद्धि पाल से रामघाट मार्ग चौड़ीकरण के निरीक्षण के बाद होमगार्ड द्वारा आयोजित बाड़ बचाव प्रशिक्षण का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होमगार्ड जवानों की हौसला अफजाई की। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने जानकारी दी कि होमगार्ड द्वारा 250 होमगार्ड जवानों को बाढ़ बचाव के लिए डीप डाइविंग, नाविकों, स्विमिंग, लाइफ जैकेट के उपयोग का तरीका, आपदा और बाढ़ बचाव सामग्री का उचित प्रयोग, अंडर वाटर रेस्क्यू और सर्फेस वाटर रेस्क्यू का 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि सोलंकी, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा आदि मौजूद रहे।

भिठीकला गांव की घटना, पति अस्पताल से फरार

पति ने तीन माह की गर्भवती पत्नी को बेरहमी से पीटा, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले के अंबिकापुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति पर अपनी तीन माह की गर्भवती पत्नी की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगा है। भिठीकला गांव में हुई इस वारदात के बाद आरोपी पति अस्पताल से फरार हो गया।

पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर भिठीकला निवासी प्रदीप अगरिया ने अपनी 23 वर्षीय गर्भवती पत्नी हीराबाई के साथ विवाद के बाद बुरी तरह मारपीट की। दंपती की पांच वर्षीय बेटी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने उसकी मां के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। बताया जा रहा है कि महिला के बेहोश होने पर आरोपी उसे बाइक से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गया। वहां उसने डॉक्टरों को बताया कि उसकी पत्नी सड़क दुर्घटना में घायल हुई है। जांच के दौरान चिकित्सकों ने हीराबाई को मृत घोषित कर दिया। पत्नी की मौत की खबर मिलते ही आरोपी अस्पताल परिसर से बाइक लेकर फरार हो गया। शुक्रवार को परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर 16 चोट के निशान पाए गए हैं। साथ ही निजी अंग में गंभीर चोट मिलने की भी जानकारी सामने आई है।

विवाद के बाद युवती का गला घोंटा और पत्थर से वार कर की हत्या

युवती की निर्मम हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपी प्रेमी ने किया चौंकाने वाला खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायगढ़

जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में एक युवती की निर्मम हत्या मामले में प्रेमी ने पूछताछ में खुलासा किया है। पुलिस ने प्रेमी लोकनाथ पटेल को गिरफ्तार किया है। लोकनाथ ने पूछताछ में बताया कि शादी के विवाद के बाद उसने युवती की गला घोंटकर और पत्थर से वार कर हत्या की।

शादी की बात पर दोनों के बीच हुआ विवाद

उसी रात शादी की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। अगली सुबह 11 मई को वे सक्ति से खरसिंया, आमापाली होते हुए तुमीडिही के जंगल पहुंचे। जंगल में लोकनाथ ने आराधना की गला घोंटकर हत्या कर दी। पूंजीपथरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी लोकनाथ पटेल को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। लोकनाथ ने बताया कि जंगल में आराधना ने उससे प्यार करने की बात कही। इसके बाद उसने पीछे से उसका गला एक मिनट तक दबाया, जिससे आराधना बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। फिर उसने एक पत्थर से उसके सिर और कनपटी पर चार-पांच बार जोर से वार किए। इसके बाद उसने चाकू से आराधना के जबड़े, मुंह, नाक और गले के आगे-पीछे काटा। हत्या के बाद लोकनाथ ने आराधना के कपड़े उतारकर वहीं फेंक दिए।

लॉज में पति-पत्नी बनकर रुके

पुलिस के अनुसार, लोकनाथ पटेल ने 16 मई को दिए अपने बयान में पूरी घटना का खुलासा किया। उसने बताया कि 9 मई 2026 की रात उसने आराधना नामक युवती से फोन पर बात की और अगले दिन मिलने का तय किया। 10 मई की सुबह वह आराधना और उसकी बुआ की लड़की से पंजरी संयंत्र में मिला। इसके बाद वह आराधना को अपनी मोटरसाइकिल पर बिठाकर विभिन्न स्थानों से होते हुए सक्ति ले गया। सक्ति में उन्होंने एक लॉज में कमरा किराए पर लिया, जहां लोकनाथ ने रजिस्टर में अपना नाम और आराधना के नाम को बदलकर निमा पत्नी के रूप में दर्ज कराया।

आदेश जारी, बतौर प्रभारी डीजी दे रहे थे सेवाएं

आईपीएस अरुणदेव गौतम छग के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आईपीएस अरुणदेव गौतम छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक डीजीपी नियुक्त किए गये हैं। इस संबंध में गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिक बारिक सिंह ने आदेश जारी किया है। बता दें कि साय सरकार ने उन्हें 17 महीने पहले प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया था। वर्ष 1992 बैच के आईपीएस ऑफिसर अरुणदेव गौतम अब तक प्रभारी डीजीपी के तौर पर काम कर रहे थे। राज्य शासन ने संघ लोक सेवा आयोग की पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए गठित पैनल की अनुशंसा के बाद उन्हें पूर्णकालिक डीजीपी के पद पर पदस्थ किया है।

डीजीपी गौतम।

फतेहपुर जिले के रहने वाले हैं अरुण देव

किसान परिवार में पले बढ़े अरुण देव गौतम उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के अभयपुर गांव के रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 जुलाई 1967 को हुआ था। उन्होंने आठवीं तक अपने गांव के ही सरकारी स्कूल से शिक्षा ली। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिये अपने बड़े भाई के पास प्रयागराज आ गए। राजकीय इंटर कॉलेज इलाहाबाद से दसवीं और बारहवीं की शिक्षा ली। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय में एडमिशन लिया। वहां से बीए और राजनीति में एमए किया। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से अंतरराष्ट्रीय कानून में एमफिल की डिग्री ली।

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।

इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट

बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

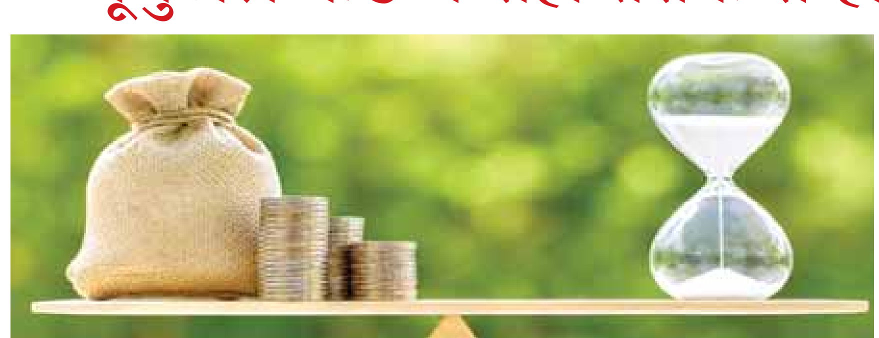

एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है? डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?
असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं। शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।